विशेष

14

हमारा अद्‌भुत संसार (कक्षा 3) पाठ्यपुस्तक के बारे में

विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 ने कक्षा 3–5 के लिए विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक स्तर में 'हमारे आस-पास की दुनिया' को पाठ्यचर्या के एक मुख्य क्षेत्र के रूप में पहचाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 और एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 इस विषय क्षेत्र में सीखने के एक समग्र और बहु-विषयक दृष्टिकोण को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए इस विषय के स्वरूप को एकीकृत और अंत:विषयक के रूप में अनुशंसित किया गया है। उपरोक्त दोनों नीति दस्तावेज प्रारंभिक स्तर पाठ्यक्रम के एक आवश्यक घटक के रूप में अनुभव, शिक्षण, अन्वेषण और खोज की अनुशंसा करते हैं।

उपरोक्त नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आधार पर, कक्षा 3 के लिए 'हमारा अद्‌भुत संसार' पाठ्यपुस्तक प्रारूपित और विकसित की गई है। जैसा कि 'हमारा अद्‌भुत संसार' शीर्षक से ही पता चलता है, खुद करके सीखने वाले क्रियाकलापों और विस्तृत उत्तरों वाले प्रश्नों के माध्यम से यह पुस्तक अनुभवात्मक अधिगम, अन्वेषण, जाँच-पड़ताल, खोज और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देती है। इससे बच्चों को रटने की आदत से छुटकारा पाने के अवसर मिलते हैं और उन्हें अपने आस-पास के वातावरण के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे उनमें जिज्ञासा और जाँच-पड़ताल करने की भावना बढ़ती है। यह दृष्टिकोण अवधारणाओं और कौशलों के विकास में ज्ञात से अज्ञात, स्थानीय से वैश्विक, सरल से जटिल, मूर्त से अमूर्त तथा परिचित से अपरिचित की ओर सिद्धांतों का अनुसरण करता है।

इस पाठ्यपुस्तक के तीन व्यापक घटक हैं। पहला घटक, अपेक्षित अधिगम के लिए सामग्री और कौशल का चयन है। दूसरा घटक, विषयवस्तु को बच्चों के लिए परस्पर संवादात्मक रूप में प्रस्तुत करना है। यह शिक्षकों को अवधारणाओं और कौशलों को क्रियान्वित करने में सहायता करता है। पाठ की प्रस्तुति में विभिन्न आयु-अनुरूप शैक्षणिक दृष्टिकोण, जैसे— खेल-आधारित, थीम-आधारित, खिलौने-आधारित और जाँच-आधारित तरीके शामिल हैं, जिससे शिक्षण-अधिगम बाल-केंद्रित और आनंददायक बन सके।

तीसरा घटक है, मूल्यांकन प्रक्रियाओं का चयन और बच्चों के सीखने की प्रगति पर लगातार दृष्टि

रखना। हम सभी जानते हैं कि बच्चे चित्रों को पढ़ने, चर्चा करने, प्रयोग करने, पहेलियों को सुलझाने, अनुभव साझा करने तथा चित्र बनाने और लिखने के माध्यम से विचारों को व्यक्त करने से भी सीखते हैं। मूल्यांकन के बोझ को कम करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों के माध्यम से अधिगम का मूल्यांकन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभावी और सही मूल्यांकन के लिए प्रत्येक विषय में सीखने के प्रतिफलों और दक्षताओं की कक्षावार पहचान की गई है और शिक्षकों को तदनुसार सीखने का आकलन करना चाहिए।

पाठ्यपुस्तक के दृष्टिकोण से संबंधित उपरोक्त तीनों घटकों को एक उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। अध्याय 'हमारा भोजन' में बच्चे पारंपरिक व्यंजनों, जैसे— हाख (एक प्रकार का हरा साग) के बारे में सीखते हैं, जो श्रीनगर में लोकप्रिय है। यह उदाहरण उनके अपने क्षेत्र और हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की विविधता के बारे में जिज्ञासा पैदा करता है। यह अन्वेषण विभिन्न विषयों को एकीकृत करता है, क्योंकि हम किसी विशेष खाद्य पदार्थ को पकाने में प्रयुक्त सामग्री को समझने का प्रयास करते हैं। इन खाद्य पदार्थों की उत्पत्ति के कारणों और उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं के बारे में सीखते हैं। बच्चे यह पता लगाते हैं कि भारत-भर में भोजन किस प्रकार की सांस्कृतिक प्रथाओं को दर्शाता है। इस प्रकार का अंतर्विषयी दृष्टिकोण बच्चों की समझ को गहन और विकसित करता है और विषयों, विषय क्षेत्रों और अवधारणाओं के बीच संबंध बनाने में उनकी सहायता करता है।

'हमारा अद्भुत संसार' बच्चों के आस-पास की दुनिया से जुड़े विषयों पर आधारित 4 इकाइयों से संरचित है। प्रत्येक इकाई की संरचना एक सुसंगत प्रारूप का अनुसरण करती है जिसे बच्चों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने के अनुसार तैयार किया गया है।

इकाइयों के प्रत्येक पाठ में सिखायी जा रही अवधारणाओं और कौशलों के लिए परस्पर संवादपरक बातचीत या कहानी-आधारित कथात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। उदाहरण के लिए, इकाई 2 की विषयवस्तु 'कुछ खोज पेड़-पौधों की' बच्चों के बीच के संवाद को प्रस्तुत करता है, जो एक बगीचे में खोज-बीन कर रहे हैं। यहाँ वे विभिन्न प्रकार के पौधों तथा उनके विभिन्न भागों की खोज कर रहे हैं और एक संतुलित व सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के लिए पौधों की देखभाल करने की आवश्यकता के बारे में बता रहे हैं।

प्रत्येक पाठ में दी गई विषय-सामग्री बच्चों के अनुरूप है और अधिगम प्रकिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। स्व-व्याख्यात्मक चित्रण का उद्देश्य बच्चों में अवलोकन और आलोचनात्मक चिंतन के कौशलों को विकसित करना है। यह प्रयास किया गया है कि पुस्तक में भाषा और अवधारणा का स्तर आयु के अनुरूप हो तथा हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों को भी दर्शाता हो। प्रत्येक इकाई के आरंभ में प्रत्येक पाठ के लिए एक अवधारणा योजना दी गई है जो वांछित दक्षताओं और अपेक्षित अधिगम प्रतिफलों को लक्षित करने में सहायता करेगी।

पुस्तक में प्रयुक्त भाषा सरल और स्पष्ट है, जिससे बच्चे सभी चार इकाइयों में दी गई अवधारणाओं को आसानी से समझ सकें। हालाँकि, पुस्तक में कुछ नई शब्दावली को भी शामिल किया गया है, ताकि बच्चों को आसान चुनौती दी जा सके और उनके भाषा कौशल का विस्तार किया जा सके। उदाहरण के लिए, पदार्थों और उनके गुणों के बारे में सीखने के संदर्भ में पारदर्शी, अपारदर्शी और पारभासी जैसे शब्दों को शामिल किया गया है। बच्चों को वास्तविक दुनिया की वस्तुओं के संबंध में इन शब्दों को समझने में सहायता करने के लिए चित्रों और विवरणों के माध्यम से इसे समझाया गया है।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक पाठ में मूल्यांकन की एक अंतर्निहित समझ है जो बच्चों की प्रगति पर दृष्टि रखने और तदनुसार अधिगम-शिक्षण रणनीतियों में सुधार व उन्हें तैयार करने में सहायता करती है। इसमें घर से विद्यालय तक का रेखाचित्र बनाना, प्रकृति से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग करके रंगोली बनाना, चर्चा के बिंदु, यातायात के चिह्नों का मिलान, चित्रों में नाम भरना, पौधों की वृद्धि का निरीक्षण करने के लिए सरल प्रयोग करना या पौधे के विभिन्न भागों के कार्यों के बारे में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्नों का उत्तर देना जैसी गतिविधियाँ शामिल की गईं हैं। 'आइए, मंथन करें' पाठ्यपुस्तक में एक ऐसा खंड है जिसमें बच्चों को पाठ से सीखी गई बातों को संक्षेप में प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ सुझावात्मक हैं। पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों के अलावा बच्चों पर किसी भी तरह का दबाव डाले बिना शिक्षक अतिरिक्त गतिविधियाँ बनाने के लिए भी स्वतंत्र हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे बच्चों को उनके स्थानीय वातावरण से जोड़ें। 'हमारा अद्भुत संसार' के माध्यम से हमने अपने बच्चों को सक्रिय और संबद्ध करने वाले सीखने के अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया है।

हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक प्रकृति की अद्भुत जानकारी के द्वार खोलेगी तथा इस महत्वपूर्ण अंतरानुशासनिक विषय के बेहतर अधिगम-शिक्षण को बढ़ावा देगी।